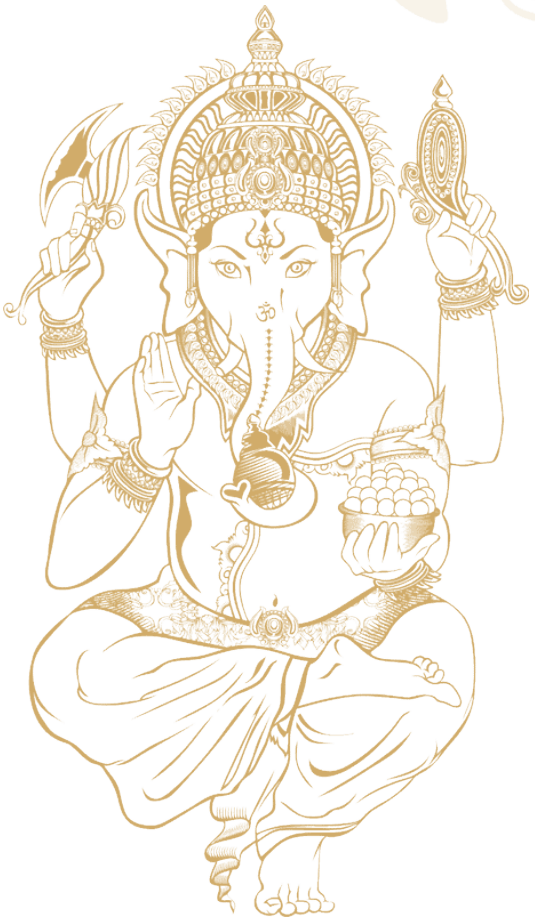

Mr.anand s.master

20 Dec 1995

06:05 PM

Banaras

Model: web-freekundliweb

Order No: 119150302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/12/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**18:05:00 घंटे**
इष्ट	28:35:48 घटी
स्थान	**Banaras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:07:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:42 घंटे
साम्पातिक काल	00:01:30 घंटे
सूर्योदय	06:38:40 घंटे
सूर्यास्त	17:12:04 घंटे
दिनमान	10:33:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:20:33 धनु
लग्न के अंश	17:11:44 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:11:44	319:28:05	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	04:20:33	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	12:00:59	14:59:11	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल			धनु	21:27:26	00:46:22	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			धनु	19:12:32	01:31:43	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु		अ	धनु	03:03:45	00:13:42	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
शुक्र			मक	04:39:46	01:14:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			कुंभ	24:55:07	00:02:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	00:38:44	00:07:12	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	00:38:44	00:07:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:55:15	00:03:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:27:47	00:02:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:44:46	00:02:11	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मीन	06:36:23	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:09

लग्न-चलित

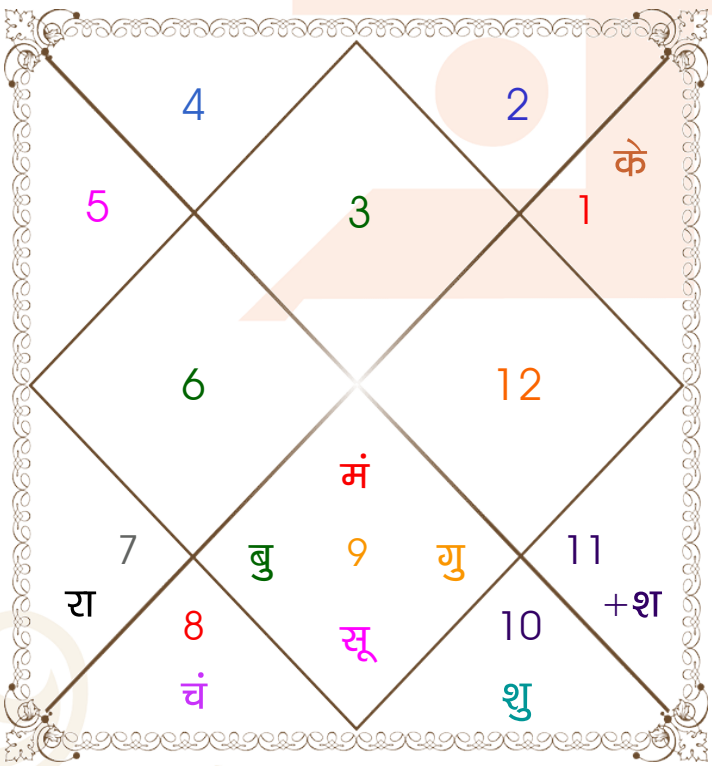

चन्द्र कुंडली

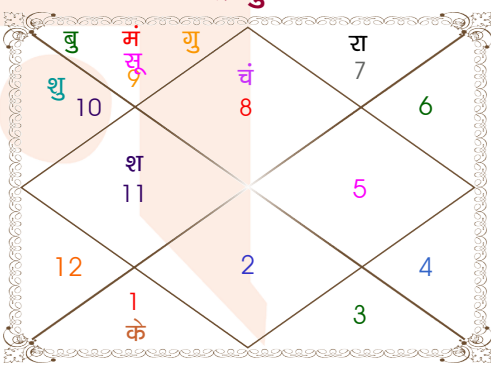

नवमांश कुंडली

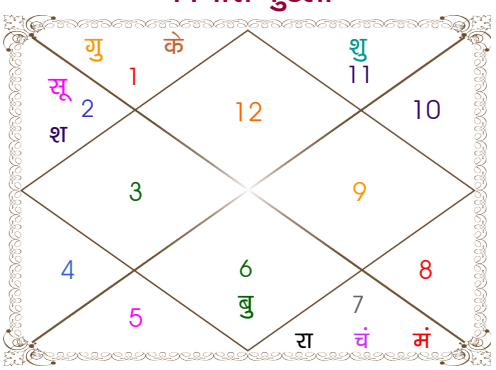

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 7 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/12/1995		06/08/2002		06/08/2019		06/08/2026		06/08/2046	
06/08/2002		06/08/2019		06/08/2026		06/08/2046		05/08/2052	
	00/00/0000	बुध	01/01/2005	केतु	02/01/2020	शुक्र	05/12/2029	सूर्य	23/11/2046
	00/00/0000	केतु	30/12/2005	शुक्र	03/03/2021	सूर्य	05/12/2030	चंद्र	25/05/2047
	00/00/0000	शुक्र	29/10/2008	सूर्य	09/07/2021	चंद्र	05/08/2032	मंगल	30/09/2047
	00/00/0000	सूर्य	05/09/2009	चंद्र	07/02/2022	मंगल	05/10/2033	राहु	23/08/2048
	20/12/1995	चंद्र	04/02/2011	मंगल	06/07/2022	राहु	05/10/2036	गुरु	12/06/2049
चंद्र	08/02/1996	मंगल	02/02/2012	राहु	25/07/2023	गुरु	06/06/2039	शनि	25/05/2050
मंगल	18/03/1997	राहु	21/08/2014	गुरु	30/06/2024	शनि	06/08/2042	बुध	31/03/2051
राहु	23/01/2000	गुरु	26/11/2016	शनि	08/08/2025	बुध	06/06/2045	केतु	06/08/2051
गुरु	06/08/2002	शनि	06/08/2019	बुध	06/08/2026	केतु	06/08/2046	शुक्र	05/08/2052

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/08/2052		06/08/2062		05/08/2069		06/08/2087		07/08/2103	
06/08/2062		05/08/2069		06/08/2087		07/08/2103		00/00/0000	
चंद्र	06/06/2053	मंगल	02/01/2063	राहु	18/04/2072	गुरु	23/09/2089	शनि	10/08/2106
मंगल	05/01/2054	राहु	20/01/2064	गुरु	11/09/2074	शनि	05/04/2092	बुध	19/04/2109
राहु	07/07/2055	गुरु	26/12/2064	शनि	18/07/2077	बुध	12/07/2094	केतु	29/05/2110
गुरु	05/11/2056	शनि	04/02/2066	बुध	05/02/2080	केतु	18/06/2095	शुक्र	28/07/2113
शनि	06/06/2058	बुध	01/02/2067	केतु	22/02/2081	शुक्र	16/02/2098	सूर्य	10/07/2114
बुध	05/11/2059	केतु	30/06/2067	शुक्र	23/02/2084	सूर्य	05/12/2098	चंद्र	21/12/2115
केतु	05/06/2060	शुक्र	30/08/2068	सूर्य	17/01/2085	चंद्र	06/04/2100		00/00/0000
शुक्र	04/02/2062	सूर्य	04/01/2069	चंद्र	18/07/2086	मंगल	13/03/2101		00/00/0000
सूर्य	06/08/2062	चंद्र	05/08/2069	मंगल	06/08/2087	राहु	07/08/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 6 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।